No. of Printed Pages : 6

BPY-005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) BDP

Term-End Examination

June, 2023

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY–II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry marks.*

(*iii*) *Answer to question Nos. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

1. Explain the important aspects of Nyaya epistemology. 20

Or

Discuss the main tenets of Dvaita philosophy. 20

2. Examine the role of Brahmo Samaj and Arya Samaj as reform movements of Modern India. 20

Or

Elucidate the various types of Fundamental Rights assured in the Indian Constitution. 20

3. Answer any *two* of the following in about **200** words each :

   (a) Illustrate the ethical implications and philosophical foundations of Bhakti Movement. 10

   (b) Heightlight the important features of the philosophy of Tagore. 10

   (c) Discuss the valid Pramanas accepted by the Advaita epistemology. 10

   (d) Explain the evolution of Prakrti according to Saṁkhya system. 10

4. Answer any *four* of the following in about **150** words each :

   (a) Give a brief account of Vedanta Sutras. 5

   (b) Describe the concept of liberation in Visiṣtadvaita. 5

   (c) Describe the characteristics of Puruṣa according to Samkhya philosophy. 5

   (d) What is the importance of the category of substance or Dravya in the Vaisesika philosophy ? 5

   (e) Briefly explain the social philosophy of Ambedkar. 5

   (f) What are the different phases of Sufism ? 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

   (a) Samprajnat Samadhi

   (b) Nature of self in Mimansa

   (c) Concept of God according to Gandhi

   (d) Epistemology in the philosophy of Dr. S. Radhakrishnan

   (e) ISKCON Movement

   (f) Characteristics of Bhakti Movement

   (g) Concept of Maya in Advaita

   (h) Kashmiri Saivism

BPY-005

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
बी. डी. पी. (दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी. पी. वाई.-005 : भारतीय दर्शन-II

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : (*i*) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं

(*iii*) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

1. न्याय ज्ञानमीमांसा के महत्वपूर्ण पक्षों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

द्वैत दर्शन के मुख्य लक्षणों पर चर्चा कीजिए। 20

2. आधुनिक भारत के सुधार आन्दोलन के रूप में ब्रह्म समाज और आर्य समाज की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त विभिन्न प्रकार के मूलभूत अधिकारों को स्पष्ट कीजिए। 20

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) भक्ति आन्दोलन के नैतिक निहितार्थों और दार्शनिक आधारों को स्पष्ट कीजिए। 10

(ख) टैगोर के दर्शन के महत्वपूर्ण लक्षणों पर प्रकाश डालिए। 10

(ग) अद्वैत ज्ञानमीमांसा में स्वीकृत वैध प्रमाणों पर चर्चा कीजिए। 10

(घ) सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति के उद्‌विकास की व्याख्या कीजिए। 10

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) 'वेदान्त सूत्र' का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

(ख) विशिष्टाद्वैत के मुक्ति विचार का वर्णन कीजिए। 5

(ग) सांख्य दर्शन के अनुसार 'पुरुष' की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

(घ) वैशेषिक दर्शन में प्रस्तुत द्रव्य पदार्थ का क्या महत्व है ? 5

(ङ) अम्बेडकर के समाज दर्शन की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(च) सूफीवाद के विभिन्न चरण कौन-से हैं ? 5

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) सम्प्रज्ञात समाधि

(ख) मीमांसा दर्शन में आत्मा की प्रकृति

(ग) गांधी के अनुसार ईश्वर का प्रत्यय

(घ) डॉ. राधाकृष्णन के दर्शन की ज्ञानमीमांसा

(ङ) इस्कॉन आन्दोलन

(च) भक्ति आन्दोलन की विशेषताएँ

(छ) अद्वैत दर्शन में माया की अवधारणा

(ज) काश्मीरी शैववाद